

**MPS 001**

**IMPORTANT QUESTIONS WITH ANSWERS**

**FOR DECEMBER 2024 & JUNE 2025 EXAMINATION**

**In Hindi & English both**

**PART-3**

**Write short notes on the following :**

**(a) Equality vs. Inequality**

**(b) Political Equality**

**(a) Equality vs. Inequality**

Equality refers to a situation where individuals or groups have the same rights, opportunities, and access to resources, regardless of their gender, race, religion, or socioeconomic background. It means treating everyone fairly and giving them the same chances to succeed.

समानता एक ऐसी स्थिति को दर्शाती है जहाँ व्यक्तियों या समूहों को उनके लिंग, जाति, धर्म या आर्थिक पृष्ठभूमि के बावजूद समान अधिकार, अवसर और संसाधन मिलते हैं। इसका अर्थ है सभी को निष्पक्ष रूप से समान अवसर देना।

Inequality, on the other hand, refers to an imbalance where some individuals or groups have more rights, opportunities, or resources than others. This can be due to discrimination, historical factors, or unequal distribution of wealth and power.

असमानता इसके विपरीत एक असंतुलन को दर्शाती है जहाँ कुछ व्यक्तियों या समूहों को दूसरों की तुलना में अधिक अधिकार, अवसर या संसाधन प्राप्त होते हैं। यह भेदभाव, ऐतिहासिक कारकों या धन और शक्ति के असमान वितरण के कारण हो सकता है।

## (b) Political Equality

Political equality means that every individual has the same right to participate in political processes, such as voting, running for office, or engaging in debates, regardless of their background. It ensures that all citizens are given equal consideration in the decision-making process of a democratic society. Political equality promotes fairness in governance and helps to avoid favoritism based on wealth, status, or connections.

राजनीतिक समानता का मतलब है कि प्रत्येक व्यक्ति को राजनीतिक प्रक्रियाओं में भाग लेने का समान अधिकार प्राप्त हो, जैसे मतदान करना, चुनाव लड़ना, या बहसों में शामिल होना, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। यह सुनिश्चित करता है कि लोकतांत्रिक समाज में निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी नागरिकों को समान रूप से माना जाए। राजनीतिक समानता शासन में निष्पक्षता को बढ़ावा देती है और धन, स्थिति या संबंधों के आधार पर पक्षपात को रोकने में मदद करती है।

### Marxist Concept of Citizenship:

The Marxist concept of citizenship is rooted in Karl Marx's broader critique of capitalism and his vision of a classless society. According to Marxist theory, citizenship, as understood in capitalist societies, is inherently linked to class structures and economic inequalities. Marx argued that the rights and duties associated with citizenship often serve to maintain the existing class system, benefiting the capitalist class (bourgeoisie) while marginalizing the working class (proletariat).

मार्क्सवादी अवधारणा में नागरिकता की जड़ें कार्ल मार्क्स की पूंजीवाद की व्यापक आलोचना और एक वर्गविहीन समाज के उनके दृष्टिकोण में हैं। मार्क्सवादी सिद्धांत के अनुसार, पूंजीवादी समाजों में नागरिकता वर्ग संरचनाओं और आर्थिक असमानताओं से जुड़ी होती है। मार्क्स ने कहा कि नागरिकता से जुड़े अधिकार और कर्तव्य अक्सर मौजूदा वर्ग प्रणाली को बनाए रखने के लिए काम करते हैं, जिससे पूंजीपति वर्ग (बुर्जुआ) को लाभ होता है और श्रमिक वर्ग (प्रोलिटेरियट) हाशिए पर आ जाता है।

---

## 1. Citizenship as a Bourgeois Construct:

### नागरिकता एक बुर्जुआ निर्माण के रूप में:

- Marxists believe that in capitalist societies, citizenship is shaped by the interests of the bourgeoisie (the owners of capital). The legal and political rights given to citizens, such as property rights, freedom of speech, and voting rights, are structured in a way that preserves the dominance of the capitalist class.
- मार्क्सवादियों का मानना है कि पूंजीवादी समाजों में नागरिकता पूंजीपति वर्ग (जो पूंजी के मालिक हैं) के हितों द्वारा आकार ली जाती है। नागरिकों को दिए गए कानूनी और राजनीतिक अधिकार, जैसे संपत्ति का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, और मतदान का अधिकार, इस तरह से बनाए जाते हैं कि पूंजीपति वर्ग का प्रभुत्व कायम रहे।
- Although citizens may appear to have equal rights, the economic and social power imbalance between the bourgeoisie and the proletariat makes true equality impossible.
- भले ही नागरिकों को समान अधिकार दिए गए हों, लेकिन बुर्जुआ और प्रोलिटेरियट के बीच आर्थिक और सामाजिक शक्ति का असंतुलन सच्ची समानता को असंभव बना देता है।

---

## 2. False Sense of Equality:

### झूठी समानता की भावना:

- In Marxist thought, the concept of citizenship in capitalist societies creates a false sense of equality. While all citizens might technically have the same political rights, their economic conditions are vastly different.

The rich have more influence, resources, and power, which allows them to manipulate the political system to their advantage.

- मार्क्सवादी विचार में, पूंजीवादी समाजों में नागरिकता की अवधारणा झूठी समानता की भावना पैदा करती है। भले ही सभी नागरिकों को एक ही राजनीतिक अधिकार प्राप्त हों, लेकिन उनकी आर्थिक स्थितियाँ काफी अलग होती हैं। अमीरों के पास अधिक प्रभाव, संसाधन और शक्ति होती है, जिससे वे अपने लाभ के लिए राजनीतिक प्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं।
- This false equality masks the real class struggle, where the working class is exploited for labour while the capitalist class accumulates wealth.
- यह झूठी समानता वास्तविक वर्ग संघर्ष को छुपाती है, जहाँ श्रमिक वर्ग से श्रम का शोषण होता है, जबकि पूंजीपति वर्ग संपत्ति का संचय करता है।

---

### 3. True Citizenship in a Classless Society:

#### वर्गविहीन समाज में सच्ची नागरिकता:

- For Marxists, true citizenship can only be achieved in a classless society where the means of production are owned collectively, and there is no exploitation of the working class. In such a society, the state will no longer exist as a tool of the capitalist class but will represent the collective interests of all citizens equally.
- मार्क्सवादियों के लिए, सच्ची नागरिकता केवल एक वर्गविहीन समाज में प्राप्त की जा सकती है, जहाँ उत्पादन के साधनों का सामूहिक स्वामित्व हो और श्रमिक वर्ग का शोषण न हो। ऐसे समाज में, राज्य पूंजीपति वर्ग का उपकरण नहीं रहेगा, बल्कि सभी नागरिकों के सामूहिक हितों का समान रूप से प्रतिनिधित्व करेगा।
- Marx envisioned a society where all individuals would have equal access to resources, opportunities, and political power, making true citizenship possible for everyone.

- मार्क्स ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी जहाँ सभी व्यक्तियों को संसाधनों, अवसरों और राजनीतिक शक्ति तक समान पहुँच होगी, जिससे सभी के लिए सच्ची नागरिकता संभव हो सकेगी।
- 

#### 4. Abolition of Class-Based Citizenship:

##### वर्ग-आधारित नागरिकता का उन्मूलन:

- Marxism calls for the abolition of class-based citizenship, where legal rights and political power are tied to wealth and social status. Marxists argue that as long as capitalism exists, the concept of citizenship will continue to be a tool of the ruling class to maintain their power.
- मार्क्सवाद वर्ग-आधारित नागरिकता के उन्मूलन का आह्वान करता है, जहाँ कानूनी अधिकार और राजनीतिक शक्ति धन और सामाजिक स्थिति से जुड़ी होती है। मार्क्सवादियों का तर्क है कि जब तक पूंजीवाद मौजूद है, तब तक नागरिकता की अवधारणा शासक वर्ग के लिए अपनी शक्ति बनाए रखने का साधन बनी रहेगी।
- The goal is to create a society where citizenship is not determined by one's class or wealth but by their role as a contributing member of a collective society.
- लक्ष्य एक ऐसा समाज बनाना है जहाँ नागरिकता का निर्धारण किसी की वर्ग या धन से न हो, बल्कि सामूहिक समाज में उनके योगदान से हो।

**LINK OF OTHER PARTS ARE GIVEN IN THE DESCRIPTION BOX.....**